जीवन जल आत्‍मा प्रभु,

बहती नदियां सा है तू प्रभु

आ प्रभु सद्‌ गुरु

बहती नदियाँ जैसा-2

1. थोड़ा डूबूं काफी नहीं,

जयादा डूबूं काफी नहीं

पूरा-पूरा डूबना है - 2

डूब डूब मगन होना है

2. इसमें बहती आरोग्‍यता

इसमें मिलती है शुद्धता

इसमें बहती है शान्‍ति

इसमें मिलती सम्‍पन्‍नता

3. कोटि कोटि मछुआरे आओ

जल्‍दी जल्‍दी जालें लगाओ

गाते गाते मछली पकड़ लो

आत्‍माओं से घर भर दो

4. नदी के तट पर पेड़ अनेकों

देने होगें फल भी अनेकों

पत्ते बन जायेंगे दवा

फल बन जायेंगे भोजन